

09

छ. ग. का भू-गर्भिक एवं स्थलाकृति विभाजन विभाजन

● छ.ग. में मुख्यतः 5 प्रकार के भू-गर्भिक चट्टानें पायी जाती हैं, जिनका तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	शैल समूह	उद्भव	निर्माण	खनिज	विशेष
01	आर्कियन	प्री कैम्ब्रियन युग	लावा के ठंडे होने से निर्मित जीवाश्म रहित चट्टान है।	ग्रेनाइट नीस, माइका	- छ.ग. का सर्वाधिक बड़ा शैल समूह - यह पृथ्वी की सबसे प्राचीन एवं गहराई में पाया जाने वाला शैल समूह है।
02	धारवाड़	प्रोटरोजोइक काल में	आद्ययमहाकल्प शैल समूहों के अपरदन से	टिन, लौह अयस्क	
03	कड़प्पा		ग्रेनाइट चट्टानों के अपरदन से	चूना पत्थर डोलोमाइट	
04	विन्ध्यन				- यह जलज चट्टानें हैं। जो नर्मदा बेसिन में पायी जाती हैं।
05	गोंडवाना		अवसादों तथा वनस्पति व जीवों के अवशेषों से अर्थात् यह जीवाश्म युक्त चट्टान है।	कोयला	- यह परतदार चट्टानें हैं तथा इसमें जीवाश्म पाया जाता है।
06	दक्कन ट्रेप ।		ज्वालामुखी से निकले बेसाल्ट युक्त लावा के जमने से इसका निर्माण हुआ है।	बॉक्साइट	- इस चट्टान से काली मिट्टी निर्माण का आधार बनता है।

10

छ. ग. का भूगोलिक अध्ययन

(A) पूर्वी बघेलखण्ड का पठार (कोरिया जिला)

(01) चांगमखार देवगढ़ की पहाड़ी :-

- विस्तार - कोरिया, सुरजपुर
- ऊँची चोटी - देवगढ़ (1033 मी.)
- विशेष - हसदो नदी का उदगम स्थल
- कैमुर पर्वत श्रृंखला का भाग माना जाता है।

(02) रामगढ़ की पहाड़ी :- (सरगुजा में)

- यह सतपुड़ा पर्वत श्रेणी का भाग है।
- गुफोंए - सीताबेंगरा, जोगीमारा, लक्ष्मण बेंगरा
- सीताबेंगरा - यही पर विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला स्थित है।
- जोगीमारा - मौर्य वंशीय सम्राट अशोक के लेख प्राप्त हुए हैं। (पाली-भाषा एवं ब्राम्ही-लिपी)
- जोगीमारा की गुफा में देवदासी नृत्यांगना व देवदत्त नामक नर्तक प्रेमगाथा का वर्णन है।

[CG PSC (Pre)2015]

[CG PSC (Mains) 2011]

(B) छत्तीसगढ़ के मैदान की धरातलीय संरचना

(1) मैकल श्रेणी -

- यह सतपुड़ा पहाड़ का भाग है।
- इसका फैलाव राजनांदगांव एवं कवर्धा तक फैला हुआ है।
- इसकी ऊँची चोटी बदरगढ़ की चोटी (1176 मी.), कबीरधाम जिले में स्थित है।
- मैकल श्रेणी के कारण कबीरधाम जिला वृष्टिछाया (Rain Shadow) क्षेत्र में आता है।

[CG PSC (ARTO) 2017]

(2) पेण्ड्रा लोरमी का पठार - (यह मैकल श्रेणी का ही भाग है।)

- विस्तार - बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा
- प्रमुख चोटी - पलमा चोटी बिलासपुर (1080 मी.), लाफागढ़ कोरबा (1048 मी.)

(3) छुरी उदयपुर की पहाड़ी :-

- विस्तार - कोरबा, सरगुजा, रायगढ़
- विशेष - रिहन्द नदी का उदगम स्थल (सरगुजा)

(4) बिलासपुर रायगढ़ मैदान :-

- विस्तार - बिलासपुर, जांजगीर चांपा, रायगढ़
- ऊँची चोटी - दलहा पहाड़ (760 मी.)

(5) कान्दावानी पहाड़ी - कवर्धा

(6) प्रज्ञागिरी पहाड़ी - राजनांदगांव

(7) फुलहारी पहाड़ी - राजनांदगांव

(8) सिहावा पर्वत :-

- प्राचीन नाम - सुवित्तमती (महानदी का उदगम स्थल)

(C) पाट प्रदेश

- (1) मैनपाट - सरगुजा (छ.ग. का शिमला)
 - माण्डनदी का उदगम स्थल (सरगुजा)
 - सन् 1982 में तिब्बती शरणाथी (Tibetans inhabited) को बसाया गया था।
 - टाइगर पाईट, इको पाईट आदि हिल स्टेन है।
- (2) जशपुर पाट - जशपुर स्थित ।
 - यह राज्य का सबसे बड़ा व लम्बा पाट प्रदेश है।
- (3) पंडरा पाट :- जशपुर में स्थित है जहाँ से ईब व कन्हार नदी का उदगम होता है।
- (4) जारंग पाट :- बलरामपुर, सरगुजा (सबसे बड़ा बाक्साइट का भंडारण क्षेत्र)
- (5) सामरी पाट - बलरामपुर
 - छ.ग. का सबसे ऊँचा पठार है, यहाँ गौरलाटा (1225 मी.) सबसे ऊँची चोटी स्थित है।
- (6) जमीर पाट :- बलरामपुर, (बाक्साइट का मैदान)
- (7) लहसुन पाट :- बलरामपुर

[CG PSC (ARTO) 2017]

[CG PSC (EAP) 2018]

[CG Vyapam (RI) 2018]

(D) दण्डकारण्य पठार

[CG Vyapam (E.Chem.) 2018]

- (1) रावघाट की पहाड़ी
 - विस्तार - कांकेर
 - विशेष - लौह अयस्क क्षेत्र (मिलाई स्टील प्लांट को भविष्य में लौह आपूर्ति)
- (2) बस्तर का मैदान - बीजापुर एवं सुकमा में
- (3) बैलाढीला पहाड़ी - दंतेवाड़ा
 - चोटी - नंदीराज (1210 मी)
 - विशेष - सर्वोच्च किस्म का लौह अयस्क मिलता है।
 - यहाँ से लौह अयस्क को विशाखापट्टनम बंदरगाह से जापान भेजा जाता है।
- (4) बस्तर का पठार -
 - बस्तर एवं सुकमा क्षेत्र में ।
 - इसके अंतर्गत झीरमघाटी (सुकमा) एवं दरभाघाटी (बस्तर) के पठार में आती है।
- (5) अबुझमाड़ पहाड़ी
 - विस्तार - नारायणपुर
 - सागौन वनों से वानाच्छादित है।
- (6) केशकाल घाटी - कोण्डागोव
 - इसे बस्तर का प्रवेशद्वार कहते हैं। (12 मोड़)
 - केशकाल घाटी को छ.ग. के जल विभाजक पर्वत कहा जाता है जिसके कारण महानदी अपवाह तंत्र उत्तर की ओर एवं इन्द्रावती अपवाह तंत्र दक्षिण की ओर बहती है।
- (7) आरीडोगरी - भानुप्रतापुर तहसील (कांकेर जिला) में स्थित है।
यह लौह अयस्क के लिए प्रसिद्ध है।
- (8) गढ़िया पहाड़ (Gadhiya Hill) - कांकेर जिला में
- गढ़िया महोत्सव भी मनाया जाता है।

[CG PSC (Pre) 2018]

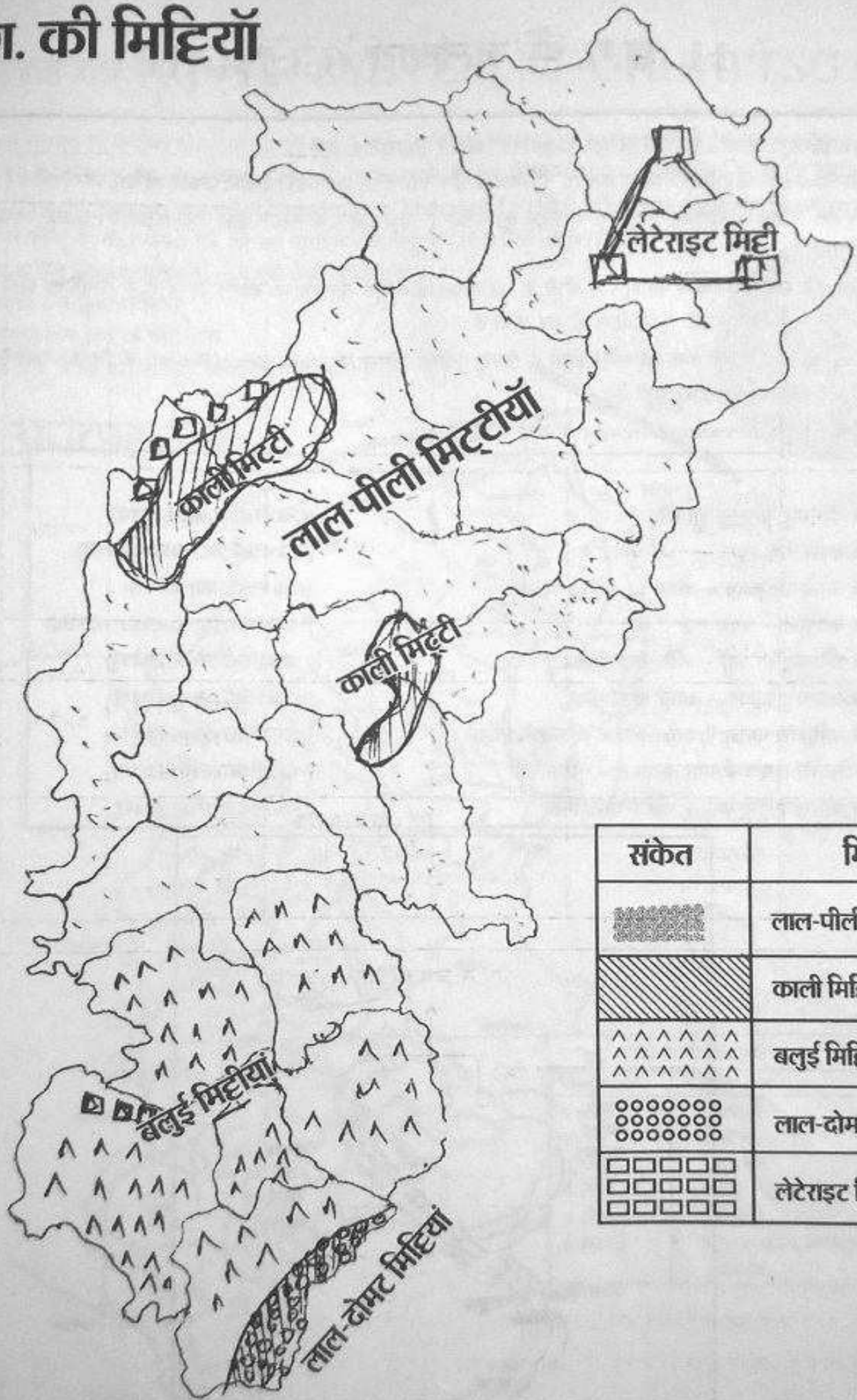
[CG PSC (ABEO) 2018]

[CG PSC (ACF) 2018]

छ.ग. के प्रमुख पर्वत, पहाड़ी एवं उच्चावच स्थल एवं क्षेत्र

क्र. पहाड़ियाँ	ऊँचाईयों	क्षेत्र
1. गौरलाटा	1225 मीटर	सामरीपाट, बलरामपुर
2. नन्दीराज	1210 मीटर	वैलाडीला, दंतेवाड़ा
3. बदरगढ़	1176 मीटर	मैकल श्रेणी [CG PSC (Pre)2008]
4. मैनपाट	1152 मीटर	सरगुजा
5. अबूझमाड़ की पहाड़ियाँ	1076 मीटर	नारायणपुर
6. पल्नागढ़ की चोटी	1080 मीटर	मैकल श्रेणी (विलासपुर)
7. लाफागढ़ पहाड़ी	1048 मीटर	कोरबा
8. जारंग पाट	1045 मीटर	सरगुजा
9. देवगढ़ की पहाड़ी	1033 मीटर	कोरिया
10. चागभखार की पहाड़ी		कोरिया [(CG PSC (ABEQ)2014]
11. धारी डोंगर (शिशुपाल)	899 मीटर	महासमुंद
12. पेण्ड्रा लोरमी	800 मीटर	विलासपुर
13. दलहा पहाड़ (Dalha Mountain)	760 मीटर	अकलतरा (जांजगीर चांपा) [(CG PSC (ARTO)2017]
14. डोंगरगढ़ की पहाड़ी	704 मीटर	डोंगरगढ़, राजनांदगाँव
15. दल्लीराजहरा	700 मीटर	बालोद
16. छुरी मतिरिंगा उदयपुर की पहाड़ियाँ		सरगुजा
17. जशपुर पाट		जशपुर
18. रामगढ़ की पहाड़ियाँ		सुरगुजा
19. कैमूर पहाड़		कोरिया
20. सिहावा पर्वत		धमतरी
22. आरीडोंगरी		भानुप्रतापुर [CG PSC (ABEO) 2014]
23. गड़िया पहाड़ी		कांकेर [CG PSC (ACF)2016]
24. कुलहारी पहाड़ी		राजनांदगाँव
25. भातूनवागढ़, नरियर पानी		गरियाबंद

छ.ग. की मिट्टियाँ



संकेत	मिट्टी
	लाल-पीली मिट्टियाँ
	काली मिट्टियाँ
	बलुई मिट्टियाँ
	लाल-दोमट मिट्टियाँ
	लेटेराइट मिट्टियाँ

11

छ. ग. की मिट्टियाँ

किसी भी क्षेत्र में पाये जाने वाले चट्टान से उस क्षेत्र की मृदा का निर्माण एवं निर्धारण होता है। छ.ग. भारत के प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है, यह अवशिष्ट प्रकार की मिट्टी पायी जाती है। मृदा प्रदेश में कृषि एवं वन संसाधन के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश में पाये जाने वाले चट्टानों के आधार पर मुख्य रूप से 5 प्रकार की मृदा पायी जाती है।

- | | |
|--------------------|------------------------------|
| 1. लाल-पीली मिट्टी | 2. लाल रेतीली या बलुई मिट्टी |
| 3. लेटेराइट मिट्टी | 4. काली मिट्टी |
| 5. लाल दोमट मिट्टी | |



[CG PSC (MI) 2010] , [CG PSC (CMO) 2010]
[CG Vyapam (LOI) 2015]

1. लाल-पीली मिट्टी (55 – 60 प्रतिशत)

- विस्तार – छ.ग. के मध्य भाग तथा उत्तरी भाग में।
- छ.ग. के सर्वाधिक भाग में पायी जाने वाली मिट्टी।
- स्थानीय नाम – मटासी (घुना की प्रधानता होती है)
- लालरंग – फेरस ऑक्साइड के कारण (Fe_2O_3)
- पीला रंग – फेरिक ऑक्साइड के कारण (Fe_3O_4)
- मुख्य फसल – धान, अलसी, तिल, ज्वार, मक्का आदि।
- छ.ग. के सर्वाधिक भाग में पायी जाने वाली मिट्टी।

2. लाल बलुई मिट्टी (30 – 35 प्रतिशत)–

- विस्तार – दंतेवाड़ा, बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव तथा बालोद के दक्षिणी हिस्से में
- स्थानीय नाम – रेतीली मिट्टी (टिकरा मिट्टी)
- मुख्य फसल – मोटा अनाज हेतु उपयुक्त (कोदो, कुटकी)
- प्रकृति – अम्लीय

3. लाल दोमट मिट्टी

- विस्तार – दंतेवाड़ा सुकमा।
- रंग – लाल (लौह अयस्क की अधिकता के कारण)
- जलधारण क्षमता – सबसे कम

[CG PSC (Engg.) 2010]

4. लेटेराइट मिट्टी

- विस्तार – पाट प्रदेशों में (सरगुजा संभाग एवं जगदलपुर)
- स्थानीय नाम – मुरुमी या भाठा मिट्टी (मिट्टी में छोटे पत्थर के साथ)
- फसल – बागानी फसलें (आलू, टमाटर, चाय, लीची)
- रंग – काला रंग

[CG PSC (Map Tol) 2013]

नोट:- इस मिट्टी का निर्माण निछालन (liching) विधि से होता है।

[CG vyapam 2014]

- कठोरता के कारण भवन निर्माण हेतु उपयोगी है।
- ईट निर्माण में इस मिट्टी का प्रयोग किया जाता है।

5. काली मिट्टी (कन्हार) :-

- विस्तार - मैकल श्रेणी गरियाबंद दुर्ग एवं बालोद
- निर्माण - बेसाल्ट युक्त चट्टानों के अपरदन से।
- स्थानीय नाम - कन्हार / भरी / रेगुर (बारीक कणों वाला गहरा भूरा रंग)
- मुख्य फसल - गन्ना, कपास, चना, गेहूँ (रबी फसल)
- रंग - काला (फेरिक ट्राईऑक्साइड के कारण)
- जलधारण क्षमता - सर्वाधिक

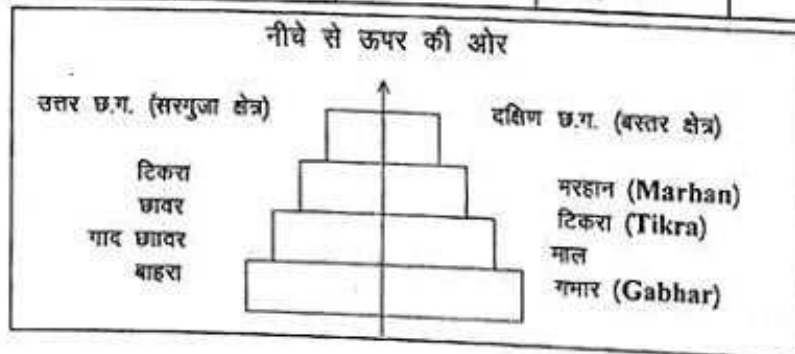
[CG PSC (Pre) 2011]

नोट:- • यह सबसे उपजाऊ मिट्टी है। तथा पानी की कमी से दरार पड़ जाती है इस मिट्टी में लौह की मात्रा सर्वाधिक होती है।
काली मिट्टी (कन्हार मिट्टी) में चिका (Clay) की मात्रा सर्वाधिक होती है।

[CG PSC (SEE) 2016]

छ.ग. की मिट्टियाँ

क्र.	मिट्टीयाँ	विस्तार	स्थानीय नाम	रंग	मुख्य फसल	प्रकृति	जलधारा क्षमता
01.	लाल-पीली	छ.ग. के मध्य भाग व उत्तरी भाग	मटासी	लाल रंग फेरस आक्साइड (Fe_2O_3) के कारण - पीला रंग फेरिक आक्साइड (Fe_2O_3) के कारण	धान, अलसी, तिल, ज्वार, मक्का आदि	अम्लीय + क्षारीय	मध्यम प्रकृति के
02.	लाल-बलुई	दंतेवाड़ा, बरतार, कांकर राजगांवगाँव तथा बालोद के दक्षिणी हिस्से में।	टिकरा	गेरु रंग	मोटे अनाज (कोदो, कुटकी)	अम्लीय	कम
03.	लाल-दोमट	दंतेवाड़ा, सुकमा		लाल	मोटे अनाज	अम्लीय	सबसे कम
04.	लेटेराइट	पाट प्रदेशों में (सरगुजा संभाग एवं जगदलपुर)	मुरुमी / भाठा	कत्था	बागानी फसलें (आलू, टमाटर, चाय, लीची)	क्षारीय	कम
05.	काली मिट्टी	मैकल श्रेणी गरियाबंद दुर्ग एवं बालोद	कन्हार / भरी / रेगुर	काला-फेरिक ट्राईऑक्साइड के कारण	गन्ना, कपास, चना, गेहूँ (रबी फसल)	क्षारीय	सर्वाधिक

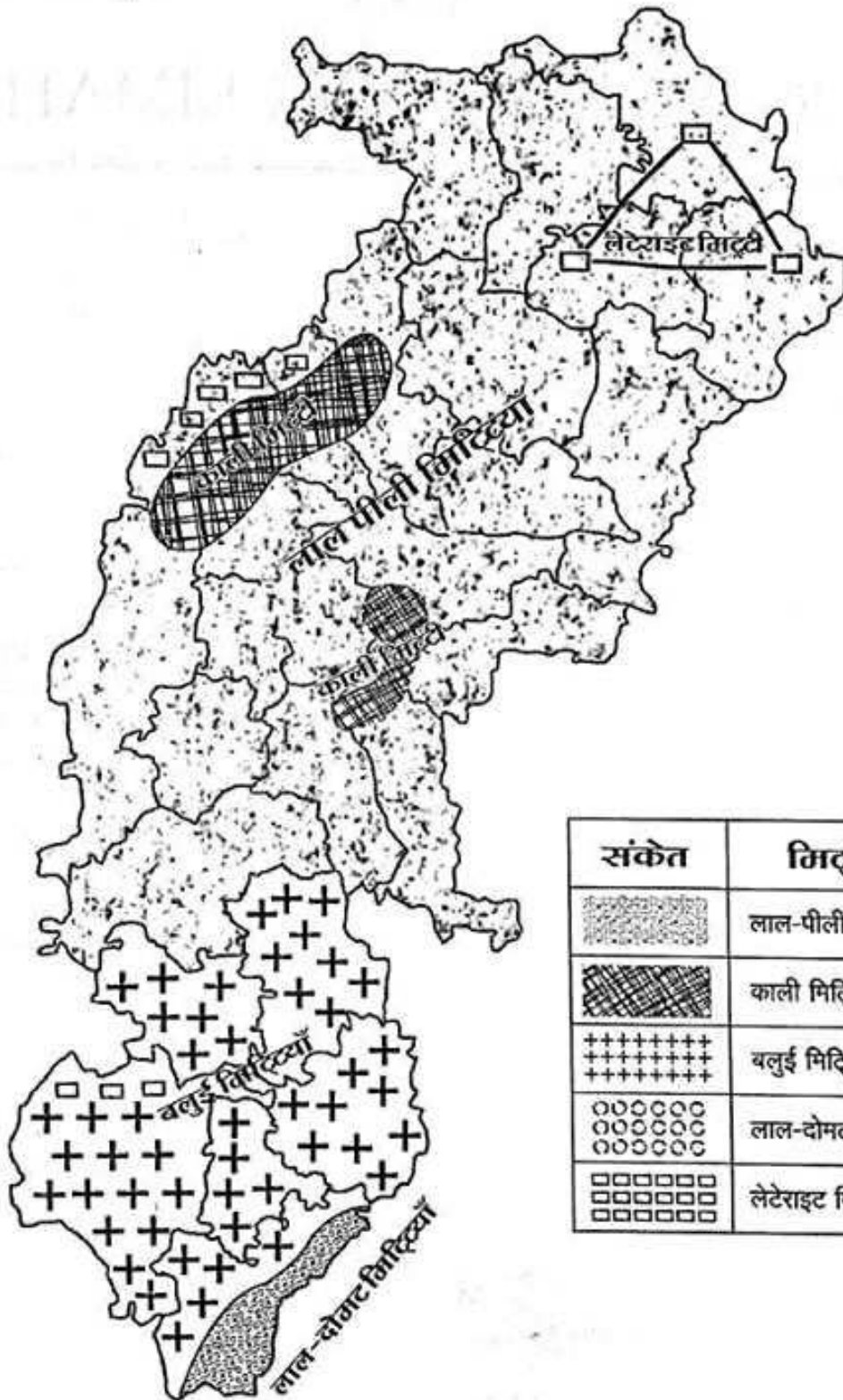


नोट - • बरतार के पठार में पाई जाने वाली मिट्टी (उच्च से निम्न) - मरहान, टिकरा, माल, गमार

• लाल-पीली एवं काली मिट्टी के मिश्रण को डोरसा कहते हैं।

[CG PSC (Pre.) 2015], [CG PSC (ARTO) 2017]

छ.ग. की मिट्टियाँ



संकेत	मिट्टी
	लाल-पीली मिट्टियाँ
	काली मिट्टियाँ
	बलुई मिट्टियाँ
	लाल-दोमट मिट्टियाँ
	लेटेराइट मिट्टियाँ

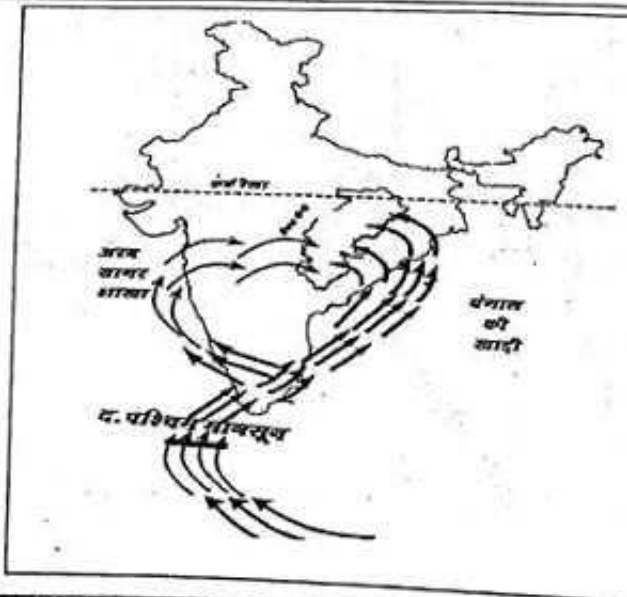
12

छ. ग. में जलवायु (CLIMATE)

- जलवायु एक अरबी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ ऋतुओं के दिशा में परिवर्तन होता है।
- छ.ग. कर्क रेखा (Cancer Line) ($23\frac{1}{2}^{\circ}$ उत्तरीय अक्षांश) में स्थित है, इस कारण यह उष्णकटिबंधीय प्रकार मौसम पाये जाते हैं।
- किन्तु छ.ग. में वर्षा दक्षिण - पश्चिम मानसून के साथ भू-आवेष्टित राज्य होने के कारण यहां उष्णकटिबंधीय उपार्द्र महाद्वीपीय जलवायु पायी जाती है।
- छ.ग. में मुख्यतः वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से होती है, जो भारत के विशेष संरचना के कारण दो भागों में विभाजित होती है। जिसकी पश्चिम शाखा अरब सागर तथा बंगाल के खाड़ी से होकर जाती है।
- उपरोक्त दोनों शाखा से छ.ग. को वर्षा की प्राप्ति होती है, किन्तु मुख्यतः बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal) से (90%) सर्वाधिक वर्षा होती है। और अरब के खाड़ी शाखा से (10%) होती है।
- छ.ग. में मानसून जून माह (Entrance of Monsoon) में प्रवेश करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- | | |
|--|----------------------------|
| • छ.ग. की जलवायु मानसून आधारित है। | [CG PSC (CMO) 2010] |
| • छ.ग. का सबसे ठंडा स्थान - मैनपाट है। | [CG PSC (ADHISH)-2013] |
| • छ.ग. का सबसे गर्म स्थान - चांपा | [CG PSC (MI)-2014] |
| • छ.ग. का चैरापूंजी - अबूझमाड़ | [CG PSC (S. Auditor)-2016] |
| • छ.ग. का शीतकालीन वर्षा - पश्चिमी गर्तों से | [CG PSC (Pre)-2011] |
| • छ.ग. में जलवायु फैलाव - उपार्द्र महाद्वीपीय | [CG PSC (Pre)-2011] |
| • छ.ग. की अधिकांश मानसूनी वर्षा - बंगाल की खाड़ी शाखा | [CG PSC (Pre)-2011] |
| • छ.ग. के क्षेत्र जो कम वर्षा प्राप्त करता है - मैकेल रेंज | [CG PSC (Pre)-2013] |
| • छ.ग. का औसत वार्षिक वर्षा - 1300-1325 मिमी. | [CG PSC (Pre) 2011] |



13

नदी अपवाह तंत्र

(RIVER SYSTEM OF CHHATTISGARH)

इतिहास साक्षी है कि मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ है छ.ग. के विकास में प्राकृतिक संसाधनों का विशेष योगदान है, जो प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में विद्यमान है, जिसमें से जल संसाधन का प्रदेश के विकास में विशेष महत्व है। जो प्रदेश में कृषि के विकास एवं ऊर्जा की उपलब्धता का प्रमुख आधार है, प्रदेश के प्रमुख नदियां एवं उसके सहायक नदियां मिलकर जाल का निर्माण करती है। जिसे नदी अपवाह तंत्र के नाम से जाना जाता है।

जल प्रवाह के दृष्टि से प्रदेश के जल अपवाह तंत्र को चार भागों में बांटा गया है—

[CG PSC (Pre) 2015]

1. महानदी अपवाह तंत्र (58.48 प्रतिशत) — सबसे बड़ी अपवाह तंत्र (लगभग 78.02 लाख वर्ग किमी.)

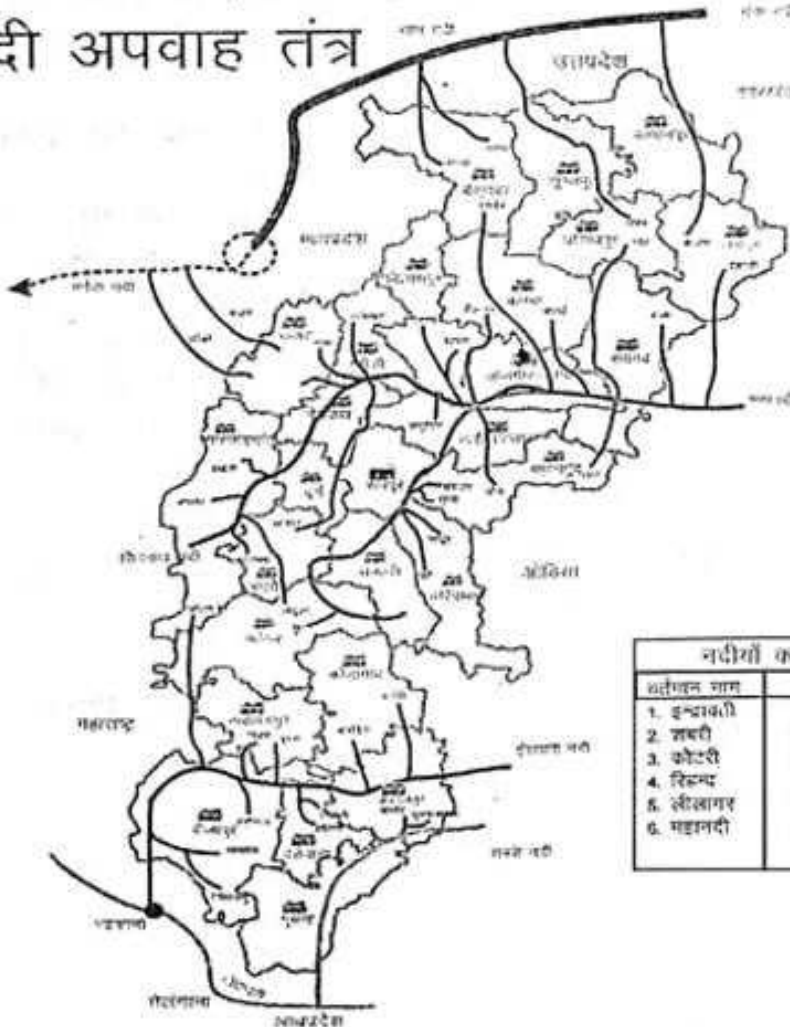
[CG PSC (SEE) 2016]

2. गोदावरी अपवाह तंत्र (28 प्रतिशत) — दूसरी बड़ी अपवाह तंत्र (लगभग 36.00 लाख वर्ग किमी.)

3. सोन नदी अपवाह तंत्र (13.15 प्रतिशत)

4. नर्मदा अपवाह तंत्र (0.58 प्रतिशत) — सबसे छोटी अपवाह तंत्र

नदी अपवाह तंत्र



नदीयों का प्राचीन नाम

वर्तमान नाम	प्राचीन नाम
1. इन्द्रावती	1. मंदाकनी
2. लक्ष्मी	2. कोरस
3. कोटरी	3. सरलवर्ष
4. रिन्ध	4. देव
5. श्रीसागर	5. गिहिरा
6. महानदी	6. कनकनदिनी, तिलोत्पला, महानदी, नीलोत्पला

महानदी अपवाह तंत्र (MAHANADI RIVER SYSTEM)

महानदी अपवाह तंत्र छ.ग. का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है जोकि राज्य के कुल अपवाह तंत्र का लगभग 58.48 प्रतिशत जल संग्रहण क्षेत्र आता है। जिसका विस्तार छ.ग. के लगभग 78.02 हजार वर्ग किमी. में है।
[CG PSC (EAP) 2016]

इस अपवाह तंत्र का विस्तार छ.ग. में है जिसका ढाल पूर्व की ओर है। (its slop lies towards east there for the river system)

महानदी

- ♦ उद्गम (Origine) - सिहावा पर्वत (धमतरी) (पूर्व नाम - सुक्तिमति पर्वत) [CG PSC 2003]
- ♦ मुहाना (विसर्जन) (Fall) - कटक (उड़ीसा) के निकट बंगाल की खाड़ी में (Bay fo Bengal)
- ♦ कुल लम्बाई - 858 किमी.
- ♦ छ.ग. में लम्बाई - 286 किमी.
- ♦ तट पर स्थित शहर (Cities of Bank) - राजिम, सिरपुर, शिवरीनारायण, चन्द्रपुर
- ♦ महानदी का मैदान मध्य छ.ग. में विस्तृत है [CG Vyapam (TC) 2010]
- ♦ महानदी का संस्थेशन ब्रिज (राजिम) में बनाया जा रहा है। [CG PSC (Pre)- 2016]
- ♦ प्रवाह क्षेत्र (Flowas through) - 1. धमतरी, 2. कांकेर, 3. बालोद, 4. रायपुर, 5. गरियाबंद, 6. महासमुंद, 7. बलौदाबाजार, 8. जांजगीर-चांपा, 9. रायगढ़ (9 जिले)

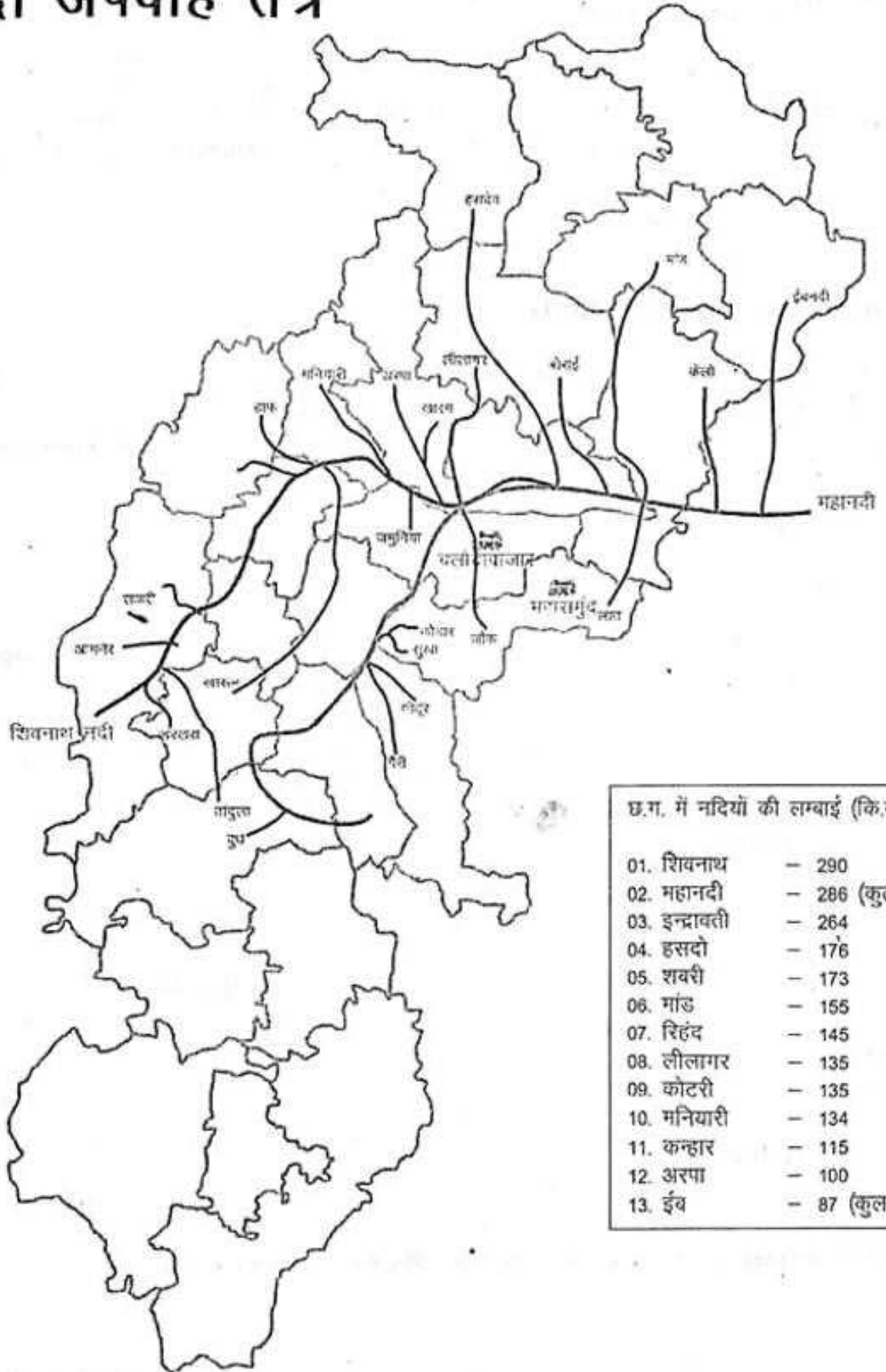
विशेष

- ♦ छ.ग. की गंगा एवं जीवन रेखा (Life Line) के नाम से जानी जाती है। [CG PSC (MI)- 2014]
- ♦ छ.ग. की सबसे लम्बी नदी - महानदी (858 किमी.)
- ♦ छ.ग. में बहने वाली सबसे लम्बी नदी - शिवनाथ (290 किमी.) [CG Vyapam (MI)- 2012]
- ♦ मध्य छत्तीसगढ़ के मैदान की ढाल - पूर्व दिशा [CG PSC (Pre)- 2011]
- ♦ नामकरण - श्रृंगी ऋषि के प्रिय शिष्य महानंदा के नाम पर
- ♦ महानदी एवं इंद्रावती के मध्य जलविभाजन - केशकाल घाटी [CG PSC Egg- 2011]
- ♦ छ.ग. में तेल नदी प्रवाहित होती है - देवभोग [CG PSC Egg- 2015]
- ♦ महानदी छ.ग. का सर्वाधिक क्षेत्र घेरता है [CG PSC (Pre) 2012]

नामकरण

- ♦ प्राचीन नाम - कनकनंदिनी (Kanaknandini)
- ♦ सतयुग - नीलोत्पला (Nilotpala)
- ♦ द्वापर युग - चित्रोत्पला (Chitrotpala)
- ♦ वर्तमान - महानदी (Mahanadi) [CG PSC (EAP) 2016]

महानदी अपवाह तंत्र



छ.ग. में नदियों की लम्बाई (कि.मी.)

01. शिवनाथ	- 290
02. महानदी	- 286 (कुल 858)
03. इन्द्रावती	- 264
04. हसदो	- 176
05. शवरी	- 173
06. मांड	- 155
07. रिहंद	- 145
08. लीलागर	- 135
09. कोटरी	- 135
10. मनियारी	- 134
11. कन्हार	- 115
12. अरपा	- 100
13. ईव	- 87 (कुल 202)

सहायक नदी (Tributaries)

1. शिवनाथ नदी (सबसे बड़ी सहायक नदी)

**संगम (Confluences on Mahanadi)**

- राजिम (गरियाबंद) (The Prayag of CG) - महानदी + पैरी + सोंदूर
- शिवरीनारायण (जांजगीर-चाम्पा) - महानदी + शिवनाथ + जोंक
- चंद्रपुर (जांजगीर - चाम्पा) - महानदी + मांड + लात
- खैरागढ़ (राजनांदगांव) - आमनेर + मुरका + पिपरिया

[CG Vyapam (Mandal Sanyojak) 2008]

परियोजना (Project) :-

- रुद्री बैराज परियोजना(1915) धमतरी जिले में महानदी पर स्थित है।
- गंगरेल बांध(रविशंकर जलाशय)(1979) धमतरी जिले में महानदी पर स्थित है।
- दुधवा जलाशय (1963) धमतरी जिला में महानदी पर स्थित है।

- नोट:-**
- राज्य का सबसे लंबा 'सड़क पुल' 1830 मी. महानदी पर रायगढ़ के नदीगांव में बना है। (स्व. दिलीप सिंह जुदेव से यह सेतु/पुल पुराौर व सरिया के बीच सुरजपुर गाँव व नदीगाँव के मध्य है। (जबकि स्व. दिलीप सिंह जुदेव बांध/कें बांध - केलो नदी में रायगढ़ पर है।)
 - महानदी पर उड़ीसा में कटक के समीप हीराकुंड बांध बना है जो भारत का सबसे लंबा बांध है।
 - दुधवा जलाशय (1963) धमतरी जिला में महानदी पर स्थित है।

1. दुध नदी (Dudh River) :-

- उद्गम (Origin) - मलाजकुंडम पहाड़ी (कांकेर)
- विसर्जन (Fall) - महानदी
- प्रवाह क्षेत्र - कांकेर

विशेष:- दुध नदी में मलाजकुंडम जलप्रपात (Malaj Kundam Water Fall Situated in Kanker) स्थित है।

2. सिलयारी नदी:-

- माड़मसिल्ली जलाशय (1923) धमतरी

[CG PSC (ADI) 2017]

3. सोंदूर नदी (Sondhur River) :-

- उद्गम (Origin) - नरियर पानी (गरियाबंद)
- विसर्जन (Fall) - राजिम में महानदी पर
- परियोजना (Project) - सोंदूर परियोजना (1979-1980) विश्व बैंक की सहायता से बना

4. पैरी नदी (Pairi River) :-

- ♦ उदगम - भातगढ़ पहाड़ी, बिन्दानवागढ़ तहसील (गरियाबंद)
- ♦ विसर्जन - राजिम महानदी में
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - गरियाबंद
- ♦ सहायक नदी - सोरुंर
- ♦ परियोजना -
 - सिकासार परियोजना (1979-1980) विश्व बैंक की सहायता से बना।
 - सिकासार परियोजना में 2006 से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।

5. सुखा नदी :-

- ♦ उदगम - तुमगांव (महासमुंद)
- ♦ विसर्जन - महानदी
- ♦ सहायक नदी - कोडार नदी

नोट- कोडार नदी पर कोडार परियोजना या शहीद वीर नारायण सिंह परियोजना महासमुंद जिला में है।

6. जोंक नदी (Jonk River) :-

- ♦ उदगम - गौरागढ़ की पहाड़ी, पिथौरा (महासमुंद)
- ♦ विसर्जन - शिवरीनारायण के निकट महानदी
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - महासमुंद, बलीदावाजार

Cities situated on rivers Banks in C.G.			
City	River	City	River
Bilaspur	Arpa	Shivrinarayan	Mahanadi
Raipur	Kharun	Jagdalpur	Indrawati
Raigarh	Kelo	Kondagaon	Narangi nadi
Champa	Hasdev	Sirpur	Mahanadi
Korba	Hasdev	Barsur	Indrawati
Durg	Shivnath	Rajim	Mahanadi

7. लात नदी (Lat River) :-

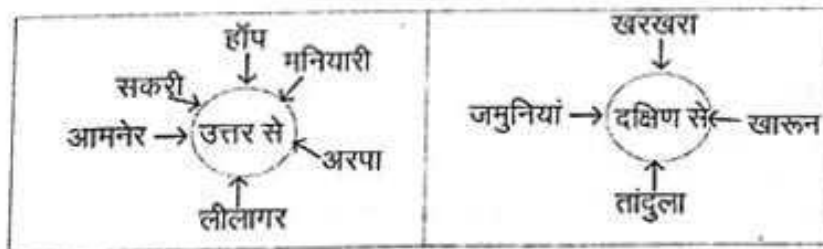
- ♦ उदगम - रदन की पहाड़ी (सराईपाली)
- ♦ विसर्जन - चन्द्रपुर में (महानदी) पर

8. शिवनाथ नदी (Shivnath River) :-

- ♦ उदगम - पानाबरस की पहाड़ी, अम्बागढ़ तहसील (राजनांदगांव)
- ♦ मुहाना - शिवरीनारायण के निकट महानदी में
- ♦ कुल लम्बाई - 290 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली, बिलासपुर, बलीदा बाजार, जांजगीर-चाम्पा (7 जिला से होकर)

[CG PSC (Mining)-2010]

सहायक नदी (Tributaries) -



परियोजना:-

- ♦ शिवनाथ नदी में राजनांदगांव जिले में मोंगरा बैराज परियोजना (Mongara Bairaj Project) स्थित है।

विशेष :-

- ♦ महानदी की सबसे बड़ी सहायक नदी।
- ♦ शिवनाथ नदी के तट पर मदकू द्वीप मुंगेली है जहां ईसाईयों का प्रसिद्ध मेला लगता है।
- ♦ छत्तीसगढ़ में बहने वाली सबसे लम्बी नदी शिवनाथ नदी है। (छ.ग. की सबसे लम्बी नदी महानदी है) (Longest River Flowing in CG)
- ♦ यह नदी 36 गढ़ों में ऐतिहासिक काल के दौरान दो भाग 18-18 गढ़ों में विभाजित करती थी।

[CG PSC (ADIHS)-2014]

9. हसदेव नदी (Hasdev River) :-

- ♦ उद्गम (Origin) - देवगढ़ कैमुर पहाड़ी (जिला - कोरिया, सोनहट तहसील)
- ♦ विसर्जन (Fall) - शिवरीनारायण के निकट (केरा ग्राम में महानदी में)
- ♦ कुल लम्बाई (Length) - 176 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र (Flow) - कोरिया, कोरबा, जांजगीर - चाम्पा
- ♦ सहायक नदी (Tributaries) - तान, झींग, उत्तेग, गज, अहिरन, जटाशंकर, घोरनई
- ♦ तटीय नगर (Coastal City) - कोरबा, चांपा, पीथमपुर (जांजगीर-चांपा)

[CG PSC (ADH)-2014]

परि.-हसदेव बांगो परियोजना (मिनीमाता परियोजना 1967) में बना यह छत्तीसगढ़ का प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना है साथ ही प्रदेश का सबसे ऊँचा बांध (87 मी.) है।

विशेष :-

- ♦ पीथमपुर इसी नदी के तट पर स्थित है (जांजगीर-चांपा)
- ♦ हसदेव घाटी कोयला खदानों के लिए प्रसिद्ध है।

[ASS.Audi.2013], [ABEO2014]

[CG PSC (Pre)-2014]

10. माण्ड नदी (Mand River) :-

- ♦ उद्गम - मैनपाट (सरगुजा)
- ♦ विसर्जन - चंद्रपुर में महानदी में
- ♦ कुल लम्बाई - 155 किमी
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, जांजगीर - चाम्पा
- ♦ सहायक नदी - कुरकुट एवं कोइराज
- ♦ संगम स्थल - चंद्रपुर (महानदी+मांड+लात)

विशेष:- मांड नदी घाटी में कोयले की प्राप्ति होती है।

[CG VYAPAM-2014]

11. केलो नदी (Kelo River) :-

- ♦ उद्गम - लुडेग पहाड़ी, लैलुंगा तहसील (रायगढ़)
- ♦ विसर्जन - उड़ीसा में महादेवपाली नामक स्थान (महानदी में)
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - रायगढ़
- ♦ सहायक नदी - कोलेडेगा, राजर

परियोजना :- केलो नदी परियोजना/ स्व. दिलीप सिंह जुदेव परियोजना। (रायगढ़ जिले में)

12. ईब नदी (Eb River) :-

- ♦ उद्गम - खुरजा पहाड़ी, पंडरापाट (जशपुर)
- ♦ विसर्जन - संबलपुर (उड़ीसा) महानदी में
- ♦ कुल लम्बाई - 202 किमी. (छत्तीसगढ़ में 87 किमी. में बहती है)
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - जशपुर

विशेष :- छ.ग. राज्य से बाहर उड़ीसा में संबलपुर क्षेत्र में महानदी से मिलती है। इस नदी के रेत में सोने के कण पाए जाते हैं।

13. सुरंगी नदी

14. बोराई नदी - कोरबा पूर्वी पहाड़ी

शिवनाथ की सहायक नदी (Tributaries of Shivenath River)

1. खरखरा नदी :-

- ♦ उद्गम - डौडीलोहारा (बालोद)
- ♦ परियोजना - खरखरा जलाशय (मिट्टी निर्मित बांध)

2. तांदुला नदी (Tandula River) :-

- ♦ उद्गम - भानुप्रतापपुर, कांकेर (Bhanupratapur, Kanker)
- ♦ लम्बाई - 64 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - कांकेर, बालोद, दुर्ग

विशेष:-

- ♦ तांदुला जलाशय (बालोद) इसी नदी पर निर्मित है। यह छ.ग. की प्रथम परियोजना (1913) है।
- ♦ उत्तर की ओर बहने वाली शिवनाथ की प्रमुख सहायक नदी है।

3. खारुन नदी (Kharun River) :-

- ♦ उद्गम - पट्टेचुआ पहाड़ी (बालोद) जिला से
- ♦ विसर्जन - सोमनाथ (धरसीवा) के निकट, शिवनाथ में
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - बालोद, रायपुर, दुर्ग

विशेष:- इस नदी के तट पर रायपुर स्थित है।

4. जमुनिया नदी (Jamuniya River) :- यह शिवनाथ नदी की सहायक नदी है।

[CG PSC (Pre)-201

5. हॉफ नदी (Haf River) :-

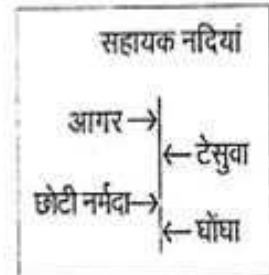
- ♦ उद्गम - कांदावनी कवर्धा (Kandavani Hill, Kabirdham)
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - कवर्धा, बेमेतरा
- ♦ लम्बाई - 44 किमी.

6. मनियारी नदी (Maniyari River) :-

- ♦ उद्गम - पेण्ड्रा लोरमी का पठार, सिंहावल (मुंगेली)
- ♦ विसर्जन - मदकुद्रीप के निकट शिवनाथ में
- ♦ कुल लम्बाई - 134 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - मुंगेली, बिलासपुर
- ♦ सहायक नदी - आगर, छोटी नर्मदा, टेसुवा व घोंघा
- ♦ परियोजना - खुड़िया बांध/राजीव गांधी जलाशय (1930)

विशेष:- ♦ इस नदी के किनारे अमेरीकापा तालागांव स्थित है।

♦ यह मुंगेली व बिलासपुर के मध्य सीमा रेखा बनाती है। (Makes border line between Bilaspur, Mungeli)



7. अरपा नदी (Arpa River) :-

- ♦ उद्गम - खोड़री खोंगसरा पहाड़ी, पेंड्रा तहसील (बिलासपुर)
- ♦ विसर्जन - मानिकचौरा के निकट शिवनाथ में
- ♦ लम्बाई - 100 मीटर
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - बिलासपुर, बलौदा बाजार
- ♦ सहायक नदी - खारंग (परियोजना- खूँटाघाट बांध/संजय गांधी परियोजना - 1920)
- ♦ अरपा नदी में कोटा के समीप भैसाझर परियोजना है। (जबकि भैसादरहा - बस्तर में कांगेर नदी पर स्थित स्थल है।)
- ♦ बिलासपुर शहर इस नदी के तट पर स्थित है। (Bilaspur City is Situated on it)

[CG Vyapam (RI)-2015

8. लीलागर नदी (Lilagar River) :-

- ♦ उद्गम - कोरबा (पूर्वी पहाड़ी से)
- ♦ विसर्जन - शिवनाथ में
- ♦ कुल लम्बाई - 135 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - कोरबा बिलासपुर
- ♦ प्राचीन नाम - निडिला नदी

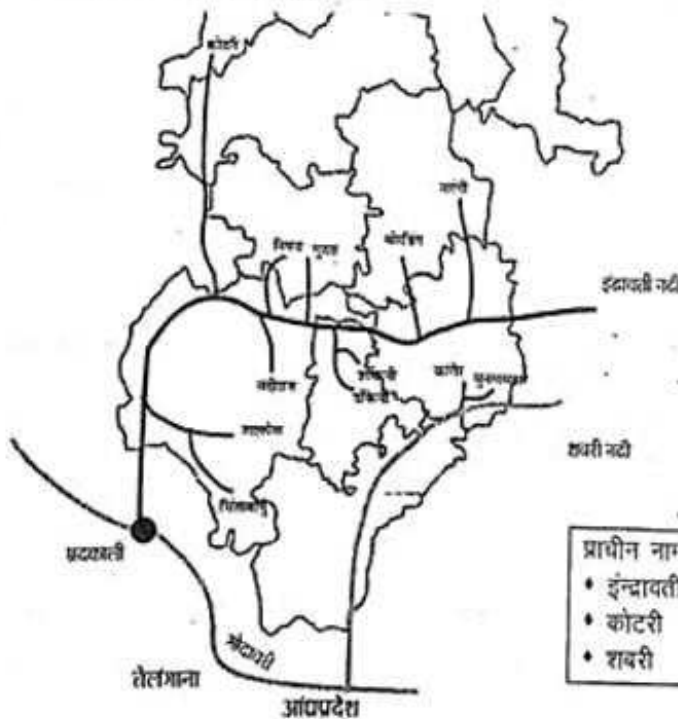
विशेष:- इस नदी के तट पर मल्हार स्थित है। (शरमपुरी वंशी राजा प्रसन्नमात्र द्वारा बसाया गया है।)

सीमा रेखा (नदियों द्वारा)

कबीरधाम जिला	हांप नदी
मुंगेली जिला	मनियारी नदी
बिलासपुर जिला	लीलागर नदी
जांजगीर-चांपा जिला	

गोदावरी अपवाह तंत्र (GODAWARI RIVER SYSTEM)

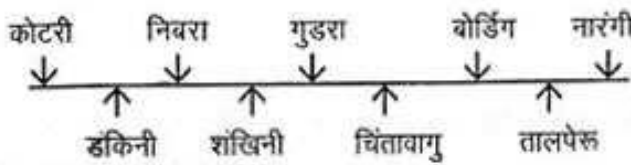
- ♦ छ.ग. राज्य के दण्डकारण्य पठार का ढाल की दक्षिण की ओर होने के कारण राज्य की अधिकांश नदियाँ गोदावरी में जाकर मिलती हैं जिसे गोदावरी अपवाह तंत्र कहते हैं।
- ♦ यह छ.ग. का दुसरा सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है जो कि छ.ग. के कुल अपवाह तंत्र के 28 प्रतिशत जल को ग्रहण करता है। इसकी 36 हजार वर्ग किमी. में विस्तृत फैला है।
- ♦ इस अपवाह तंत्र की प्रमुख नदियाँ इंद्रावती, शबरी, कोटरी, डंकिनी, शखनी, नारंगी, चिंताबागु, गुडरा, निवरा आदि हैं।
- ♦ गोदावरी नदी पर पोलावरम बांध जो छ.ग., तेलंगाना व आन्ध्रप्रदेश के बीच विवादित है। [CG PSC (ADH)-2017]
- ♦ गोदावरी नदी की प्रमुख सहायक नदी इंद्रावती नदी है। [CROS 2017], [CG Vyapam Asst. Man. Industry 2017]
- ♦ पोलावरम परियोजना गोदावरी नदी से संबंधित है। [CG Vyapam (ROS) 2017]



प्राचीन नाम	
• इंद्रावती	- मंदाकिनी
• कोटरी	- परलकोट
• शबरी	- कोलाब

इंद्रावती नदी (Indrawati Nadi) :-

- ♦ उद्गम - मुंगेर पर्वत, कालाहांडी जिला (उड़ीसा)
- ♦ विसर्जन - भद्रकाली नामक स्थान के निकट (गोदावरी में)
- ♦ कुल लम्बाई - 264 किमी.
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - बस्तर, दंतवाड़ा बीजापुर
- ♦ तट पर स्थित शहर - जगदलपुर, बारसुर और भोपालपट्टनम आदि।
- ♦ इंद्रावती नदी पर जगदलपुर में चित्रकोट जलप्रपात स्थित है। [CG Vyapam (AMIN)201],[CG Vyapam (RDP),(CROS)2017]
- ♦ बस्तर की पठार की प्रमुख नदी है।

सहायक नदी-**विशेष:-**

- ♦ प्राचीन नाम - मंदाकिनी
- ♦ देश का सबसे चौड़ा चित्रकूट जलप्रपात (Chitrakoot Waterfall) इसी नदी पर स्थित है।
- ♦ बस्तर संभाग की जीवनरेखा कहलाती है। (It is Called Life Line of Bastar)

कोटरी नदी (Kotri River):-

- ♦ उद्गम - मोहेला तहसील (राजनांदगांव)
- ♦ विसर्जन - इंद्रावती में (बीजापुर)
- ♦ प्रवाह क्षेत्र - राजनांदगांव, नारायणपुर, बीजापुर
- ♦ प्राचीन नाम - परलकोट (It is also called Life Line Paralkot River)

नारंगी नदी (Narangi River):-

- ♦ उद्गम - माकड़ी (कौंडागांव)
- ♦ विसर्जन - इंद्रावती में (चित्रकूट के समीप)

विशेष:- कौंडागांव शहर नारंगी नदी के तट पर स्थित है।

[CG PSC (Pre)-2015]

शंखिनी नदी (Shankhni River) :-

- ♦ उद्गम - नंदीराज चोटी, बैलाडीला पहाड़ी (दंतवाड़ा)
- ♦ विसर्जन - डंकिनी नदी में
- ♦ विशेष - डंकिनी शंखिनी नदी के संगम पर दंतवाड़ा में दंतेश्वरी मंदिर स्थित है।
- ♦ डंकिनी शंखिनी छ.ग. की सबसे प्रदूषित नदी है।
- ♦ शंखिनी नदी का जल रक्ताम (लाल) है।

[CG PSC (SSE)2016]

डंकिनी नदी (Dankini River) :-

- ♦ उद्गम - डांगरी क्षेत्र (दंतवाड़ा)

1. बनास नदी (Banas River) :-

- ◆ उद्गम - भरतपुर तहसील (कोरिया)
- ◆ सहायक नदी - गोपद

2. गोपद नदी (Gopad River) :-

- ◆ उद्गम - कोरिया से

[CG PSC (ABEO)-2014]

3. नेयुर नदी (Neuer River) :- यह मध्यप्रदेश एवं छ.ग. के मध्य सीमा रेखा बनाती है।

4. रिहन्द नदी (Rihand River)

- ◆ उद्गम - छूरी मतिरंगा पहाड़ी, अंबिकापुर तहसील (सरगुजा)
- ◆ विसर्जन - सोन नदी
- ◆ कुल लम्बाई - 145 किमी.
- ◆ प्रवाह क्षेत्र - सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर
- ◆ सहायक नदी - धुनघुट्टा, मोरनी, महान, सूर्या

विशेष:-

- ◆ रिहन्द नदी सरगुजा की जीवन रेखा कहलाती है।
- ◆ इस नदी पर उ.प्र. के मिर्जापुर में गोविंद बल्लभ पंत जलाशय बनाया गया है, या जिसे रिहन्द बांध भी कहते हैं।
- ◆ रिहन्द नदी के तट पर महेशपुर (सरगुजा) पुरातात्विक स्थल स्थित है।

[CG PSC (Pre.)2016]

5. कन्हार नदी (Kanhar River) -

- ◆ उद्गम - बखोना छोटी (Bakhona Peak) बगीचा तहसील (जशपुर)
- ◆ विसर्जन - सोन नदी में
- ◆ कुल लम्बाई - 115 किमी.
- ◆ प्रवाह क्षेत्र - जशपुर, बलरामपुर
- ◆ सहायक नदी - पैजन, सिंदूर, गलफुला आदि।

विशेष :-

- ◆ यह नदी छ.ग. एवं झारखंड की सीमा बनाती है।
- ◆ कन्हार नदी के तट पर डीपाडीह (बलरामपुर) पुरातात्विक स्थल स्थित है।

नर्मदा नदी अपवाह तंत्र (NAMADA RIVER SYSTEM)

- ◆ यह राज्य का सबसे छोटी अपवाह तंत्र है जोकि कुल अपवाह तंत्र का 0.52 प्रतिशत रखता है। [CG Vyapam (E Chem.)-2016]
- ◆ इस तंत्र की प्रमुख सहायक नदी 1. बंजर 2. ताड़ा (दोनों कवर्धा जिला से निकलती हैं।) [CG PSC (SEE)2016]
- ◆ बंजर पश्चिम की ओर बहने वाली सबसे लम्बी नदी है।

विभिन्न नदियों का तुलनात्मक अध्ययन

नदी	उद्गम	विसर्जन	लम्बाई	प्राचीन नाम	सहायक नदी	तट पर स्थित शहर
1. महानदी	सिहावा पर्वत (धमतरी)	बंगाल की खाड़ी (कटक के पास)	858 किमी (286 किमी छ.ग. में)	कनक नदिनी निलोत्पला चित्रोत्पला महानंदा	दक्षिण से - दूध, सोंदुर, पैरी सुखा, जोंक, लात, उत्तर से - शिवनाथ, बोराई, हसदेव, मांड, केलो, ईब।	1. राजिम 2. आरंग 3. सिरपुर 4. शिवरीनारायण 5. चन्द्रपुर
2. शिवनाथ	पानावरस पहाड़ी (अंबागढ़ तह. राजनांदगाँव)	बंगाल की खाड़ी (कटक के पास)	290 किमी	-	दक्षिण से - खरखरा, तांदुला खारून, जमुनियों। उत्तर से - आमनेर, होंप, आगर, मनियारी, अरपा, लीलागर	1. दुर्ग 2. अंबागढ़ चौकी 3. धमधा, नांदघाट
3. इन्द्रावती	मुंगेर पर्वत धरमगढ़ कालाहांडी (ओडिसा)	गोदावरी (बीजापुर, भद्राकाली के समीप)	264 किमी	मंदाकिनी	दक्षिण से - तालपेरु, चिंतावागु, शंखिनी, डकिनी, नंदीराज उत्तर से - कोटरी, फि.रा, गुडरा, बोंडिंग, नारंगी।	1. जगदलपुर 2. वारसूर 3. भोपालपट्टनम्
4. हसदेव	देवगढ़ कैमूर पर्वत से सोनहट (कोरिया)	महानदी में (शिवरीनारायण के आगे)	176 किमी	-	गज, अहिरण, जटाशंकर चोरनाई, तान	1. कोरवा 2. चोम्पा
5. शबरी	जिला - कोरापुट (ओडिसा)		173 किमी	कोलाब	कांगेर	1. कोटा
6. मांड	मैनपाट (सरगुजा)	महानदी (चन्द्रपुर)	155 किमी		कोईराज, कुटकुट	
7. रिहन्द	छुरी मातिरिंगा उदयपुर की पहाड़ी (सरगुजा)	सोन नदी	145 किमी	रेण्ड नदी	धुनघुट्टा, मोरनी, सूर्या महान, गोवरी, रेण्ड नदी	
8. कोटरी	मोहेला - मानपुर (राजनांदगाँव)	इन्द्रावती में (बीजापुर)	135 किमी	परलकोट		
9. लीलागर	कोरबा	शिवनाथ में	135 किमी	निडिला		
10. मनियारी	लोरमी पठार (सिहावल सागर मुंगेली)	शिवनाथ में	134 किमी	-	घोंघा आगर छोटी नर्मदा, टेसुवा	
11. कन्हार	बखोना चोटी बगीचा (जशपुर)	सोन नदी	115 किमी		सिंदुर, गलफुला पेंगन	

12. अरपा	खोंडरी खोंगसरा पहाड़ी पेण्ड्रा (बिलासपुर)	शिवनाथ में	100 किमी		खारंग नदी	बिलासपुर
13. पैरी	भातृगढ पहाड़ी बिन्दानवागढ़ (गरियाबंद)	राजिम में महानदी	90 किमी		सोडुर	
14. जोंक	पिथौरा (महासमुंद)	शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा) महानदी में	90 किमी			
15. ईब	खुड़िया पहाड़ (पण्ड्रापाट) दगीचा जशपुर	महानदी (ओडिसा में)	87 किमी (छ.ग.) 202 (कुल)			
16. खारून	बालोद	शिवनाथ में	84 किमी			रायपुर
17. तांदुला	भानुप्रतापपुर (कांकेर)	शिवनाथ में	64 किमी			
18. होंप	कांदावाडी पहाड़ी (कवधी)	शिवनाथ में	44 किमी			
19. केलो	लुडेग पहाड़ी लैलुगा (रायगढ़)	महानदी				रायगढ़ [CG PSC (ACF) 2016]
20. दूध	मलाजकुण्डम पहाड़ी (कांकेर)	महानदी				कांकेर
21. खरखरा	डीडी (बालोद)	शिवनाथ में				
22. नारंगी	माकड़ी (कोण्डागांव)	इन्द्रावती में				कोण्डागांव
23. गुडरा	नारायणपुर तह.	इन्द्रावती बारसुर के पास				
24. बाघ	कुलझारी पहाड़ी (राजनांदगांव)					
25. डंकिनी	डांगरीडोगरी (दंतेवाड़ा)					दंतेवाड़ा
26. शंखिनी	बैलाडिला पहाड़ी (नंदीराज) दंतेवाड़ा					

14

जलप्रपात (WATER FALL)

छ.ग. में उत्तरी एवं दक्षिणी में पर्वत पठार उपस्थिति के कारण जल प्रपात का निर्माण होता है। छ.ग. में मुख्यतः जलप्रपात का निर्माण करती है।

- (1) बलरामपुर
 - कोठली जलप्रपात - कन्हार नदी पर ।
 - पवाई जलप्रपात - चिनार/चनान नदी पर । (कन्हार की सहायक नदी)
- (2) सरगुजा
 - रक्सगंडा जलप्रपात - रेड नदी पर (चिनार)
 - सरमंजा जलप्रपात - मांड नदी पर (मैनपाट क्षेत्र में)
- (3) कोरिया
 - अमृतधारा जलप्रपात - हसदेव नदी पर ।
 - अकुरीनाला प्रपात - इसे कोरिया का एयरकंडीशनर कहा जाता है।
 - गावर घाट - हसदेव नदी पर।
- (4) कोरबा
 - केंदई जलप्रपात - केंदई नदी पर।
- (5) रायगढ़
 - रामझरना
 - माडुसिल्ली (बरमकेला)
- (6) जशपुर
 - रानीदाह जलप्रपात (यह तथाकथित है कि यहाँ एक रानी ने आत्मदाह की थी। इसलिए इसका नाम रानीदाह जलप्रपात पड़ा)
 - राजपुरी जलप्रपात,
 - दमेरा जलप्रपात,
 - खुड़ियारानी आदि भी है।
- (7) महासमुंद
 - सात देव धारा (बलमदेई नदी पर)
- (8) गरियाबंद
 - गोदना जलप्रपात है (उदयती नदी के तट पर)
- (9) कांकेर
 - मलाजकुण्डम प्रपात
 - दूधनदी पर।
- (10) नारायणपुर
 - घर्रे-मर्रे जलप्रपात - यह नारायणपुर में अंतागढ़ आमावेड़ा वन मार्ग पर स्थित है।
 - खुरसेल झरना - यह खुरसेल नदी में ।

[CG PSC (EAP) 2010]

(11) बस्तर

- चित्रकूट जलप्रपात — • यह इन्द्रावती नदी पर स्थित है। (लोहांडीगुडा तहसील क्षेत्र बस्तर जिला में) [CG PSC (Pre) 2016]
 • यह भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात है (लगभग 300 फीट एवं ऊँचाई 90 फीट (लगभग)
 • इसे भारत का नियाग्रा कहा जाता है।
- तीरथगढ़ जलप्रपात — • यह शबरी के सहायक नदी कांगेर के सहायक नदी मुनगाबहार पर स्थित है।
 • यह छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा जलप्रपात है (लगभग 300 फीट) । [CG PSC (EAP) 2016]
- कांगेरधारा जलप्रपात — कांगेर नदी पर
 अन्य जलप्रपात — चित्रधारा, महादेवधूमर, मड़वा तामड़ाधूमर आदि अन्य जल प्रपात उपस्थित है।

(12) दंतवाड़ा

- सूरतगढ़ जलप्रपात — डंकिनी नदी पर स्थित ।
 मेंदरीधूमर प्रपात — इसे हाथी-दरहा प्रपात भी कहा जाता है।

(13) सुकमा

- गुप्तेश्वर जलप्रपात — शबरी नदी पर निर्मित
 रानीदरहा शबरी नदी पर । [CG PSC (Pre) 2016]
 मल्गेर जलप्रपात — मल्गेर नदी पर स्थित ।

(14) बीजापुर

— सातधारा (इन्द्रावती नदी में)

[CG PSC (EAP) 2016]

- सातधारा को भेडाघाट से भी सुंदर माना जाता है।
- इसे सातधारा क्रमशः शिवधारा, शिव चित्रधारा, कृष्णधारा, पाण्डवधारा, वाणधारा, बोधधारा, तथा कपिल धारा प्रमुख है।
- वोगतुंग जलप्रपात।

जलप्रपात

